Skill Development Programme
For Answer Writing
Current Affairs
Model Answer

DATE : 23-Sep-2018 **TIME : 01:15 pm**

मुख्य परीक्षा

प्र. 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना' भारत को जनसांख्यिकीय लाभांश का फायदा दिलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसकी प्रमुख चुनौतियों का उल्लेख करें तथा उनसे निपटने के प्रमुख उपायों को भी बताएँ।

(250 शब्द, 15 अंक)

'Pradhan Mantri Skill Development Scheme' could play a significant role in harnessing the population dividend of India. Elucidating the main challenges in it suggest the measures to resolue these issues. (250 Words, 15 Marks)

MODEL ANSWER

- भूमिका में पहले प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना को बताएं
- अगले पैरा में इसके समक्ष आने वाली चुनौतियों को बताएं
- फिर अगले पैर में इसके उपायों को बताएं
- अंत में सक्षिप्त निष्कर्ष लिखें।

उत्तर- कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा नियंत्रित इस योजना के पहले वर्ष में 24 लाख कामगारों को शामिल किया जाएगा। इसके बाद वर्ष 2022 तक इस संख्या को 40.2 करोड़ तक ले जाने की योजना है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना का मुख्य उद्देश्य देश में युवा वर्ग को संगठित करके उनके कौशल का विकास कर उन्हें योग्यतानुसार रोजगार देना है।

इस योजना के क्रियान्वयन के समक्ष आने वाली चुनौतियाँ निम्नलिखित हैं-

1. इस योजना का लाभ अधिकतर शहरी युवाओं को प्राप्त हो रहा है। ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में यह योजना उतनी प्रभावी नहीं है।
2. जुलाई-2017 के प्रथम सप्ताह के आँकड़ों के अनुसार, लगभग 30 लाख प्रशिक्षित लोगों में से अब तक मात्र 3 लाख लोगों को ही नौकरी के प्रस्ताव मिले हैं।
3. कौशल विकास के तहत दिये जाने वाले प्रशिक्षण की गुणवत्ता कई बार बाजार की जरुरत के अनुसार नहीं होती।
4. प्रशिक्षित होने के बाद भी अत्यंत कम वेतन दिया जाना कामगारों के समक्ष एक बड़ी समस्या है।
5. PMKVY के तहत प्रशिक्षण केंद्र खोलने के कार्य की अपेक्षा के अनुरूप गति नहीं मिल पाई है।

प्रमुख उपाय-

1. जिला स्तर पर कौशल विकास केंद्रों की स्थापना कर ज्यादा से ज्यादा युवाओं को प्रशिक्षित करने का प्रयास किया जाना चाहिये।
2. जिला-स्तरीय कार्य योजना के निर्माण के दौरान यह जानकारी इकट्ठी करनी होगी कि किस तरह के कामगार की जरूरत कहाँ पर है और उसके लिये कितने वेतन पर दूसरे स्थान पर काम करना संभव होगा।
3. सरकार को प्रशिक्षित युवाओं के लिए न्यूनतम वेतन सुनिश्चित करने हेतु भी कदम उठाना होगा, अन्यथा नियोक्ता को कम वेतन में ही अप्रशिक्षित कामगार मिलते रहेंगे तो कौशल विकास की मांग में कमी आएगी।
4. उद्योगों में कुशल (skilled), अर्द्धकुशल (semiskilled) और अकुशल (unskilled) वर्ग के लिये अलग-अलग वेतनमान तय है, परंतु प्रशिक्षण के स्तर के साथ इनको जोड़ना आवश्यक है। यदि प्रशिक्षण के बावजूद भी वेतन वृद्धि न हो तो कौशल विकास की कोई प्रासंगिकता नहीं रह जाएगी।
5. न्यूनतम वेतन पर विचार कर इसे नेशनल स्किल्स क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क के तहत परिभाषित स्तर के बराबर लाने से भी लोगों को इसके प्रति आकर्षित किया जा सकेगा।

निष्कर्ष-

इसके अलावा कौशल विकास के महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करते समय हमें भविष्य की चुनौतियों के प्रति भी सचेत रहने की आवश्यकता है। आज हम जिस कौशल को लेकर आशान्वित हैं, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ई-कॉमर्स जैसे क्रांतिकारी परिवर्तनों के बीच उस कौशल की प्रासंगिकता संदिग्ध हो जाएगी।

* * *